Series :OSR/1

कोड नं.
Code No.

रोल नं.
Roll No.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **14** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जायेगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (केन्द्रिक)
HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घंटे] | *[अधिकतम अंक : 100*

Time allowed : 3 hours] | *[Maximum marks : 100*

खंड – 'क'

1. नीचे लिखे काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **1 × 5 = 5**

अचल खड़े रहते जो ऊँचा शीश उठाए तूफानों में,
सहनशीलता, दृढ़ता हँसती जिनके यौवन के प्राणों में ।
वही पंथ बाधा को तोड़े बहते हैं जैसे हों निर्झर,
प्रगति नाम को सार्थक करता यौवन दुर्गमता पर चलकर ।
आज देश की भावी आशा बनी तुम्हारी ही तरुणाई,
नए जन्म की श्वास तुम्हारे अंदर जगकर है लहराई ।
आज विगत युग के पतझर पर तुमको नव मधुमास खिलाना,

नवयुग के पृष्ठों पर तुमको है नूतन इतिहास लिखाना ।
उठो राष्ट्र के नवयौवन तुम दिशा-दिशा का सुन आमंत्रण,
जगो, देश के प्राण जगा दो नए प्रात का नया जागरण ।
आज विश्व को यह दिखला दो हममें भी जागी तरुणाई,
नई किरण की नई चेतना में हमने भी ली अँगड़ाई ।।

(क) मार्ग की रुकावटों को कौन तोड़ता है और कैसे ?

(ख) नवयुवक प्रगति के नाम को कैसे सार्थक करते हैं ?

(ग) 'विगत युग के पतझर' से क्या आशय है ?

(घ) कवि देश के नवयुवकों का आह्वान क्यों कर रहा है ?

(ङ) कविता का मूल संदेश अपने शब्दों में लिखिए ।

2. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बड़ी चीज़ें बड़े संकटों में विकास पाती हैं, बड़ी हस्तियाँ बड़ी मुसीबतों में पलकर दुनिया पर कब्ज़ा करती हैं । अकबर ने तेरह साल की उम्र में अपने पिता के दुश्मन को परास्त कर दिया था जिसका एकमात्र कारण यह था कि अकबर का जन्म रेगिस्तान में हुआ था और वह भी उस समय, जब उसके पिता के पास एक कस्तूरी को छोड़कर और कोई दौलत नहीं थी । महाभारत में देश के प्राय: अधिकांश वीर कौरवों के पक्ष में थे । मगर फिर भी जीत पांडवों की हुई, क्योंकि उन्होंने लाक्षागृह की मुसीबत झेली थी, क्योंकि उन्होंने वनवास के जोखिम को पार किया था । विंस्टन चर्चिल ने कहा है कि ज़िन्दगी की सबसे बड़ी सिफ़त हिम्मत है । आदमी के और सारे गुण उसके हिम्मती होने से ही पैदा होते हैं । ज़िन्दगी की दो ही सूरतें हैं । एक तो यह कि आदमी बड़े-से-बड़े मकसद के लिए कोशिश करे, जगमगाती हुई जीत पर पंजा डालने के लिए हाथ बढ़ाए और अगर असफलताएँ कदम-कदम पर जोश की रोशनी के साथ अँधियाली का जाल बुन रही हों, तब भी वह पीछे को पाँव न हटाए । दूसरी सूरत यह है कि उन गरीब आत्माओं का हमजोली बन जाए जो न तो बहुत अधिक सुख पाती हैं और न जिन्हें बहुत अधिक दुख पाने का ही संयोग है, क्योंकि वे आत्माएँ ऐसी गोधूलि में बसती हैं जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई देती है । इस गोधूलि वाली दुनिया के लोग बँधे हुए घाट का पानी पीते हैं, वे ज़िन्दगी के साथ जुआ नहीं खेल सकते । और कौन कहता है कि पूरी ज़िन्दगी को दाँव पर लगा देने में कोई आनन्द नहीं है ? अगर रास्ता आगे ही निकल रहा हो तो फिर असली मज़ा तो पाँव बढ़ाते जाने में ही है ।

साहस की ज़िन्दगी सबसे बड़ी ज़िन्दगी होती है । ऐसी ज़िन्दगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिलकुल निडर, बिलकुल बेखौफ़ होती है । साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं । जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है । अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है । क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं ।

(क) गद्यांश में अकबर का उदाहरण क्यों दिया गया है ? **2**

(ख) पांडवों की विजय का क्या कारण था ? **1**

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए – **2**

"जहाँ न तो जीत हँसती है और न कभी हार के रोने की आवाज़ सुनाई देती है ।"

(घ) साहस की ज़िंदगी को सबसे बड़ी जिंदगी क्यों कहा गया है ? **2**

(ङ) दुनिया की असली ताकत किसे कहा गया है और क्यों ? **2**

(च) क्रांतिकारियों के क्या लक्षण हैं ? **1**

(छ) ज़िंदगी की कौन सी सूरत आपको अच्छी लगती है और क्यों ? **2**

(ज) गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए । **1**

(झ) निडर और बेखौफ़ में प्रयुक्त उपसर्ग लिखिए । **1**

(ञ) मिश्र वाक्य में बदलिए – साहस की ज़िंदगी सबसे बड़ी जिंदगी होती है । **1**

खंड – 'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : **5**

(क) यदि मैं भारत का शिक्षा मन्त्री होता

(ख) मोबाइल बिना सब सूना

(ग) कर्म प्रधान विश्व रचि राखा

(घ) क्रिकेट का अन्य खेलों पर प्रभाव

4. कल कारखानों के द्वारा औद्योगिक अपद्रव्य को नदियों में छोड़े जाने के कारण बढ़ रहे प्रदूषण का वर्णन करते हुए उस पर कड़ी पाबन्दी लगाने हेतु अपने राज्य के पर्यावरण मंत्री को पत्र लिखिए । 5

अथवा

'खनन माफ़िया' द्वारा आपकी बस्ती के निकट किए जा रहे अवैध खनन से निपटने के लिए अपर्याप्त तैयारियों का उल्लेख करते हुए किसी प्रतिष्ठित दैनिक समाचार पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए ।

5. (क) नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए : $1 \times 5 = 5$

(i) इंटरनेट की दो प्रमुख उपयोगिताएँ बताइए ।

(ii) पीत पत्रकारिता से आप क्या समझते हैं ?

(iii) साइबर पत्रकारिता क्या है ?

(iv) ब्रेकिंग न्यूज से आप क्या समझते हैं ?

(v) मुद्रित माध्यमों की एक विशेषता बताइए ।

(ख) 'महानगरों में यातायात की समस्या' **अथवा** 'जनसंख्या में महिलाओं का गिरता अनुपात' में से किसी एक विषय पर आलेख लिखिए । 5

6. 'महँगी होती चिकित्सा सुविधाएँ' **अथवा** 'दीवाली की रात, अपव्यय की मिसाल' में से किसी एक विषय पर फीचर लिखिए । 5

खंड – 'ग'

7. प्रस्तुत पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 4 = 8$

मैं जगजीवन का भार लिए फिरता हूँ,
फिर भी जीवन में प्यार लिए फिरता हूँ,
कर दिया किसी ने झंकृत जिनको छूकर,
मैं साँसों के दो तार लिए फिरता हूँ !
मैं स्नेह-सुरा का पान किया करता हूँ,
मैं कभी न जग का ध्यान किया करता हूँ,
जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते,
मैं अपने मन का गान किया करता हूँ !

(क) जगजीवन का भार लिए फिरने से कवि का क्या आशय है ? ऐसे में भी वह क्या कर लेता है ?

(ख) 'स्नेह-सुरा' से कवि का क्या आशय है ?

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए –

जग पूछ रहा उनको, जो जग की गाते ।

(घ) 'साँसों के तार' से कवि का क्या तात्पर्य है ? आपके विचार से उन्हें किसने झंकृत किया होगा ?

अथवा

अट्टालिका नहीं है रे
आतंक-भवन
सदा पंक पर ही होता
जल-विप्लव-प्लावन
क्षुद्र प्रफुल्ल जलज से
सदा छलकता नीर
रोग-शोक में भी हँसता है
शैशव का सुकुमार शरीर ।

(क) कवि अट्टालिकाओं को आतंक भवन क्यों मानता है ?

(ख) 'पंक' और 'जलज' का प्रतीकार्थ बताइए ।

(ग) आशय स्पष्ट कीजिए -

सदा पंक पर ही होता जल-विप्लव-प्लावन ।

(घ) शिशु का उल्लेख यहाँ क्यों किया गया है ?

8. नीचे लिखे काव्य खण्ड को पढ़कर पूछे गये प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 3 = 6$

सुत बित नारि भवन परिवारा । होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ।।
अस विचारि जियँ जागहु ताता । मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ।।

(क) काव्यांश में प्रयुक्त भाषा एवं छन्द का नाम लिखिए ।

(ख) प्रयुक्त अलंकार का नाम और दो उदाहरण लिखिए ।

(ग) कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

जो मुझको बदनाम करे हैं काश वे इतना सोच सकें ।
मेरा परदा खोले हैं या अपना परदा खोले हैं ।।

(क) कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(ख) काव्यांश की भाषा की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'परदा खोलना' का प्रयोग-सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

9. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **3 × 2 = 6**

(क) कागज के पन्ने की तुलना छोटे चौकोने खेत से करने का आधार स्पष्ट कीजिए ।

(ख) सिद्ध कीजिए कि 'उषा' कविता गाँव की सुबह का गतिशील चित्रण है ।

(ग) कैमरे में बन्द अपाहिज कविता कुछ लोगों की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे ?

10. नीचे लिखे गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **2 × 4 = 8**

बाज़ार में एक जादू है । वह जादू आँख की राह काम करता है । वह रूप का जादू है पर जैसे चुम्बक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है । जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है । जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा । मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमन्त्रण उस तक पहुँच जाएगा । कहीं उस वक्त जेब भरी हो तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है ! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ । सभी सामान ज़रूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है । पर यह सब जादू का असर है । जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है । थोड़ी देर को स्वाभिमान को ज़रूर सेंक मिल जाता है । पर इससे अभिमान की गिल्टी को और खुराक ही मिलती है । जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी ?

(क) बाज़ार के जादू से क्या तात्पर्य है ?

(ख) बाज़ार का जादू कब अधिक प्रभावी होता है और क्यों ?

(ग) जादू का प्रभाव समाप्त होने पर क्या अनुभव होता है ?

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए 'अभिमान की गिल्टी को और खुराक मिलती है ।'

अथवा

दोनों ही लड़के राज-दरबार के भावी पहलवान घोषित हो चुके थे । अत: दोनों का भरण-पोषण दरबार से ही हो रहा था । प्रतिदिन प्रात:काल पहलवान स्वयं ढोलक बजाकर दोनों से कसरत करवाता । दोपहर में, लेटे-लेटे दोनों को सांसारिक ज्ञान की भी शिक्षा देता – "समझे ! ढोलक की आवाज पर पूरा ध्यान देना । हाँ, मेरा

गुरु कोई पहलवान नहीं, यही ढोल है, समझे ! ढोल की आवाज के प्रताप से ही मैं पहलवान हुआ। उतरकर सबसे पहले ढोलों को प्रणाम करना, समझे !" ऐसी ही बहुत सी बातें वह कहा करता । फिर ... कैसे खुश रखा जाता है, कब कैसा व्यवहार करना चाहिए, आदि की शिक्षा वह नित्य दिया करता था ।

(क) पहलवान के बेटों का भरण-पोषण राज-दरबार से क्यों होता था ?

(ख) पहलवान अपने पुत्रों को क्या शिक्षा दिया करता था ?

(ग) लुट्टन किसे अपना गुरु मानता था और क्यों ?

(घ) आज गाँवों में अखाड़े समाप्त हो रहे हैं, इसके क्या कारण हो सकते हैं ?

11. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 4 = 12$

(क) भक्तिन के आ जाने से महादेवी अधिक देहाती हो गईं, कैसे ? सोदाहरण लिखिए ।

(ख) 'गगरी फूटी – बैल पियासा' से लेखक का क्या आशय है ?

(ग) उन संघर्षों का उल्लेख कीजिए जिनसे टकराते-टकराते चार्ली चैप्लिन के व्यक्तित्व में निखार आता चला गया ।

(घ) 'नमक' कहानी में क्या संदेश छिपा हुआ है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ङ) डॉ. आम्बेडकर के मतानुसार दासता की व्यापक परिभाषा क्या है ? स्पष्ट कीजिए ।

12. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $2 \times 2 = 4$

(क) पीटर के स्वभाव की दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जो ऐन को पसंद नहीं हैं ।

(ख) 'सिंधु घाटी के लोगों में कला या सुरुचि का महत्त्व ज़्यादा था' – टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'जूझ' के लेखक का पिता बेटे की पढ़ाई-लिखाई के पक्ष में क्यों नहीं था ?

13. नीचे लिखे प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 2 = 6$

(क) यशोधर पंत की तीन चारित्रिक विशेषताएँ सोदाहरण समझाइए ।

(ख) ऐन की डायरी निजी कहानी न होकर तत्कालीन समाज का दर्पण है, कैसे ?

(ग) 'जूझ' के लेखक के कवि बनने की कहानी का वर्णन कीजिए ।

14. ‘जूझ’ कहानी आधुनिक किशोर-किशोरियों को किन जीवन-मूल्यों की प्रेरणा दे सकती है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । **5**

अथवा

‘सिल्वर वेडिंग’ के आधार पर उन जीवन-मूल्यों की सोदाहरण समीक्षा कीजिए जो समय के साथ बदल रहे हैं ।